म.प्र.पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड

समाचार

हमारी टीम ने कठिन कार्य करके दिखाया है : श्री मुकेश चन्द गुप्ता
नरसिंहपुर जिले के 8 गांवों में पहली बार पहुंची बिजली
बिजली की रौशनी से गांवों में त्यौहार जैसा माहौल

जबलपुर, 11 जनवरी 2018,

म.प्र.पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड के क्षेत्रांतर्गत नरसिंहपुर जिले के 8 ग्रामों में पिछले 70 सालों से बिजली की रौशनी का इंतजार तब खत्म हुआ जब कंपनी ने इन वनग्रामों में बिजली का बल्व जलाकर दिखा दिया। जिले के भिलमाढाना वन एवं राजस्व, कोटरी, छींदखेडा, हींगपानी, टुईयापानी, सांवरी तथा भैंभरी गांवों में इससे पहले कभी बिजली की रौशनी नहीं देखी थी। विभिन्न कठिनाइयों, घने जंगलों एवं दुर्गम पहाडों के कारण इन गांवों तक बिजली पहुंचाना बेहद कठिन कार्य था लेकिन अधिकारियों की दृढ इच्छाशक्ति ने इस दुरुहकार्य को कर दिखाया है। आज इन गांवों में लालटेन के स्थान पर बिजली की तेज रौशनी देखकर गांवों में त्यौहार जैसा माहौल बना हुआ है एवं ग्रामवासियों को चहुमुखी विकास की धारा में शामिल होने का अवसर प्राप्त हुआ है। कंपनी के एम.डी. श्री मुकेश चन्द गुप्ता ने नरसिंहपुर के एस.ई. श्री अरविंद चौबे एवं उनकी टीम की सराहना करते हुए कहा कि हमारी टीम ने एक बेहद कठिन कार्य करके दिखाया है।

नरसिंहपुर जिले के गाडरवारा एवं तेंदूखेडा विधानसभा क्षेत्र के सुदूर एवं घने जंगलों से आच्छादित सतपुडा की चोटी पर स्थित इन गांवों में ग्रामीणों की दिनचर्या सूर्यास्त के बाद ठहर जाती थी। बिजली न होने के कारण मजदूरी के अलावा रोजगार के अन्य कोई साधन भी नहीं थे । इन गांवों तक बिजली पहुंचाने के लिए इसके पूर्व भी कई प्रयास किए गए लेकिन वन विभाग की कानूनी अडचनों के कारण वनवाधित ये गांव हमेशा विद्युतीकरण से अछूते रहे। कंपनी क्षेत्र में केन्द्र सरकार की दीनदयाल ग्राम ज्योति योजना लागू होने के बाद इन गांवों की तस्वीर बदल गई है। योजना के तहत आवंटित राशि से इन गांवों के विद्युतीकरण की प्रक्रिया प्रारंभ की गई तथा वन एवं पर्यावरण मंत्रालय भारत सरकार से अनुमति मिलने के

उपरांत वन विभाग को लगभग रू. 126 लाख की क्षतिपूर्ति तथा 6.286 एकड वैकल्पिक जमीन प्रदान करने के उपरांत ही यह भागीरथी प्रयास सफल हो सका।

उल्लेखनीय है कि विद्युतीकरण कार्य में स्थानीय ग्रामवासियों को रोजगार स्वरूप कार्य करने का अवसर भी प्राप्त हुआ है एवं भविष्य में उनके इस अनुभव के कारण जिले में बड़ी संख्या में हो रहे अन्य विद्युतीकरण के कार्यों में उनके रोजगार की संभावनायें भी उत्पन्न हो गई है। इन ग्रामों में बिजली आ जाने से शासन की अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं जैसे मुख्य मंत्री स्थायी कृषि पंप योजना, व शासन से वित्त पोषित स्वरोजगार की अन्य योजनाओं में सम्मिलित होने का अवसर भी प्राप्त हो गया है।

इन गांवों के विद्युतीकरण में कंपनी के समक्ष सबसे बडी चुनौती सामग्री के परिवहन की थी। घने जंगलों में बसे इन गांवों के पहुंच मार्ग परिवहन लायक नहीं थे जिससे बिजली के खम्भों, ट्रांसफार्मरों, केबिल तथा अन्य सामग्री भेजना कठिन कार्य था लेकिन कंपनी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की लगन से यह कार्य पूर्ण हो गया। इस अभियान के अंतर्गत 8 गांवों में 8 ट्रांसफार्मर, 11 के.व्ही. की 45 किमी. केबिलं, 7.5 किमी. एलटी लाइन का उपयोग किया गया एवं सौभाग्य योजना अंतर्गत 353 हितग्राहियों को निशुल्क नवीन कनेक्शन प्रदान किये गये, जिससे लगभग 2 हजार 6 सौ ग्रामवासी लाभान्वित हुए। इस अभियान में कुल 456.34 लाख रुपये व्यय हुए।

समाचार क्रमांक :10

(के.पी.श्रीवास्तव)
जनसंपर्क अधिकारी